डॉ. बिपिन पाण्डेय

परास्नातक शिक्षक 'हिन्दी' केन्द्रीय विद्यालय

एवं वरिष्ठ साहित्यकार

सीतापुर, उत्तर प्रदेश

फ़ोन-09412956529

शुभकामना संदेश

विगत डेढ़ वर्ष पूर्व 'साहित्य रत्न' वेब पोर्टल और मासिक ई-पत्रिका के रूप में श्री सुरजीत मान जलईया सिंह के द्वारा एक बीज-वपन किया गया था। आज वह बीज अंकुरित होकर धीरे-धीरे वृक्ष का आकार ले रहा है और अति शीघ्र एक विशाल वट-वृक्ष के रूप में साहित्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हुए सुस्थापित होगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। इस अल्पावधि में साहित्य रत्न वेब पोर्टल पर नए पुराने सैकड़ों कवियों और साहित्यकारों की रचनाओं को संग्रहीत करने का दुष्कर और श्रमसाध्य कार्य सुरजीत जी और उनकी टीम के द्वारा किया गया है। वेब पोर्टल पर कुछ प्रकाशित कृतियाँ ई-बुक के रूप में भी उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं 'साहित्य रत्न' मासिक ई पत्रिका ने दोहा, कुंडलिया, गीत, ग़ज़ल और पूर्वोत्तर भारत के साहित्य एवं साहित्यकारों के ऊपर लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकारों के अतिथि संपादन में विशेषांक निकालकर अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को प्रदर्शित किया है। भविष्य में इस पत्रिका के द्वारा अन्य अनेक विशेषांक निकालने की योजना है।

'साहित्य रत्न' पोर्टल और मासिक ई-पत्रिका से जुड़े समस्त सुधी पाठकों, मनीषी कवियों, लेखकों एवं साहित्यकारों, कृत संकल्पित पदाधिकारियों, संपादक मंडल और संस्थापक श्री सुरजीत मान जलईया सिंह को इस दीपोत्सव पर अपनी तरफ से अनेकानेक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि 'साहित्य रत्न' वेब पोर्टल और मासिक ई- पत्रिका इस दीप-पर्व की भाँति अनवरत देश, समाज एवं मानव मन को अपने ज्ञान-आलोक से प्रकाशित करते रहें।

डॉ. बिपिन पाण्डेय